

लला पुं. (देश.) 1. लड़कों को बुलाने का सामान्य संबोधन 2. लड़का जो प्यारा, दुलारा हो 3. प्रेमी।

ललाई स्त्री. (देश.) सुखी, लाली।

ललाट पुं. (तत्.) 1. भाल, मस्तक 2. भाग्य।

ललाटक पुं. (तत्.) 1. ललाट 2. सुंदर भाषा।

ललाट-रेखा स्त्री. (तत्.) 1. मस्तक की रेखाएँ 2. भाग्य की रेखा, भाग्यलेख।

ललाटाक्ष पुं. (तत्.) शिव वि. जिसका एक नेत्र माथे में है।

ललाटाक्षी स्त्री. (तत्.) दुर्गा।

ललाटिका स्त्री. (तत्.) 1. माथे का टीका नामक एक आभूषण 2. टीका 3. माथे पर लगा हुआ रोली आदि का तिलक।

ललाट्य वि. (तत्.) 1. ललाट संबंधी 2. ललाट के उपयुक्त।

ललाना अ.क्रि. (देश.) 1. किसी चीज के प्रति लुब्ध होना, ललचना 2. किसी वस्तु को पाने के लिए अधीर होना 3. किसी वस्त्र का लाल रंग से युक्त होना।

ललाम वि. (तत्.) 1. सुंदर, रमणीय 2. श्रेष्ठ, उत्तम पुं. 1. भूषण 2. तिलक 3. चिह्न 4. प्रभाव 5. ध्वज 6. दंड और पताका 7. घोड़ा 8. घोड़े का आभूषण 9. घोड़े के माथे का चिह्न 10. घोड़े के गले के बाल, अयाल।

ललामक पुं. (तत्.) माथे पर धारण करने की पुष्पमाला।

ललामी स्त्री. (तत्.) 1. सुंदरता, लाली 2. कान का एक आभूषण।

ललित वि. (तत्.) 1. सुंदर, मनोहर 2. प्रिय 3. कोमल 4. हिलता-डोलता हुआ 5. क्रीड़ाशील 6. कामुक पुं. 1. आमोद-प्रमोद 2. शृंगार रस का एक कायिक हाव 3. सौंदर्य 4. एक राग 5. एक विषम वृत्त 6. ब्रज में राधा-कृष्ण भक्ति का एक सम्प्रदाय।

ललितई स्त्री. (तत्.) 1. सुंदरता 2. लालित्य।

ललित-कला स्त्री. (तत्.) 1. सौंदर्य के आश्रय से व्यक्त होने वाली कला जैसे- संगीत कला आदि 2. संगीत, काव्य, चित्रकला, वास्तुकला आदि का सामूहिक नाम।

ललित-कांता स्त्री. (तत्.) दुर्गा।

ललित-गौरी स्त्री. (तत्.) एक प्रकार की रागिनी।

ललित-पद वि. (तत्.) सुंदर पदों या शब्दों वाला पुं. एक मात्रिक छंद जिसके प्रत्येक चरण में 28 मात्राएँ होती हैं तथा 16-12 पर यति होती है, (सार) नामक छंद का दूसरा नाम।

ललित-पुराण पुं. (तत्.) ललित विस्तर, इस ग्रंथ में गौतम बुद्ध के चरित्र का वर्णन किया गया है।

ललित विस्तर पुं. (तत्.) एक बौद्धग्रंथ जिसमें बुद्ध के संपूर्ण जीवन चरित का वर्णन है।

ललित-व्यूह पुं. (तत्.) एक समाधि (बौद्ध) 2. एक बोधिसत्व का नाम।

ललितसाहित्य पुं. (तत्.) 1. वह साहित्य जिसमें ज्ञानवर्धन की अपेक्षा भावप्रवणता अधिक होती है 2. शास्त्र से भिन्न काल्पनिक भावों व विचारों से पूर्ण रचनाएँ।

ललिता स्त्री. (तत्.) 1. कामिनी 2. सुंदर स्त्री 3. पार्वती 4. राधा की एक प्रमुख सखी 5. एक मूर्च्छना 6. कस्तूरी 7. एक समवर्णिक छंद वि. सुंदरी।

ललितार्थ पुं. (तत्.) 1. सुंदर अर्थ 2. शृंगार रस प्रधान रचना वि. 1. सुंदर अर्थ वाला 2. शृंगार रस युक्त।

ललिताषष्ठी स्त्री. (तत्.) भाद्र कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि टि. उक्त तिथि को स्त्रियाँ पुत्र कामना या सन्तान हित की कामना से ललिता देवी के रूप में पार्वती की पूजा और व्रत करती हैं।

ललितासप्तमी स्त्री. (तत्.) भाद्र शुक्ल की सप्तमी तिथि टि. इस तिथि को ललिता देवी के रूप में पार्वती जी की उपासना व पूजा की जाती है।